ॐ श्री गणेशाय नमः

दो नाटक

नारदमोह और रामाश्वमेध



सियावर रामचन्द्र की जय

… रघुनाथस्य शतकोटि प्रविस्तरम् ।
…कक मक्षरम् पुसाम महापातक नाशनम् ॥